ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

सामाजिक नीतियों पर अनुसंधान करेगा विश्वविद्यालय : कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

हिंदी विश्वविद्यालय में सामाजिक नीति अनुसंधान प्रकोष्ठ की स्थापना

वर्धा, दि. 27 जुलाई 2021 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में स्थापित सामाजिक नीति अनुसंधान प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि समाज के लिए सरकारी सामाजिक नीतियों की जानकारी होना अति आवश्यक है। सभी सामाजिक नीतियों का सामाजिक स्तर पर अनुसंधान हों इस दृष्टि से विश्वविद्यालय महत्त्वपूर्ण योगदान देगा। सभी नीतिगत विकास योजनाओं का सामाजिक स्तर पर

क्रियान्वयन एवं लाभार्थियों के अनुभव के आधार पर अनुसंधान करना इस प्रकोष्ठ का प्रमुख कार्य होगा। इसके लिए सामाजिक संगठनों से सहयोग लेकर समाज को अधिक से अधिक लाभ प्रदान करने के लिए कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रकोष्ठ के द्वारा तैयार रिपोर्ट विभिन्न मंत्रालयों को प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह प्रकोष्ठ अन्य विश्वविद्यालयों के लिए आदर्श स्थापित करेगा और विश्वविद्यालय के सामाजिक संपर्क को और विस्तार देगा।

बैठक का आयोजन सोमवार (26 जुलाई) को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्या भवन के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में किया गया। प्रकोष्ठ के संयोजक महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. के.बालराजु ने पी.पी.टी के माध्यम से प्रकोष्ठ की रूपरेखा, उद्देश्य तथा लक्ष्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक नीति अनुसंधान प्रकोष्ठ की स्थापना भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों पर अनुसंधान करने तथा विभिन्न स्तरों पर आवश्यक नीतिगत परिवर्तनों के लिए एवं नीतियों के प्रभाव एवं त्वरित मूल्यांकन करने केलिए की गई है। यह प्रकोष्ठ समय-समय पर सामाजिक कार्यों के अनुसंधान के संदर्भ में अपनी शोध रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इस

अवसर पर महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने सामाजिक कार्यों के आधार पर नीतिगत लाभ के संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत किए।

बैठक में प्रकोष्ठ के सदस्य विश्वविद्यालय के सूचना एवं भाषा अभियांत्रिकी केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. आम्रपाल शेंदरे, संस्कृत विभाग के डॉ. प्रदीप, अनुवाद अध्ययन विभाग के डॉ. श्रीनिकेत मिश्र, मानवविज्ञान विभाग के डॉ. नीशीथ राय, समाजविज्ञान विभाग के डॉ. वरुण उपाध्याय, शिक्षा विभाग की डॉ. शिल्पी कुमारी, डॉ. हरीश पाण्डेय, डॉ. चन्द्रशेखर पाण्डेय सहित मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृपा शंकर चौबे तथा संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ. मिथिलेश तिवारी ने किया।

हिंदी विश्वविद्यालय सामाजिक धोरणांवर संशोधन करणार : प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

हिंदी विश्वविद्यालयात सामाजिक धोरण शोध प्रकोष्ठ स्थापित

वर्धा, दि. 27 जुलै 2021 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात स्थापित सामाजिक धोरण शोध प्रकोष्ठच्या प्रथम बैठकिला संबोधित करतांना कुलगुरू प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल म्हणाले की समाजासाठी सरकारी सामाजिक धोरणाची माहिती असणे आवश्यक आहे. सर्व सामाजिक धोरणाची सामाजिक स्तरावर संशोधन व्हावे या दृष्टीने विश्वविद्यालय महत्वाचे योगदान देणार आहे. यासाठी सामाजिक संगठनांची मदत घेवून समाजाला जास्तीत-जास्त लाभ मिळवून देण्यासाठी कार्य केले जातील. हा प्रकोष्ठ इतर विश्वविद्यालयासाठी आदर्श ठरेल आणि विश्वविद्यालयाच्या सामाजिक संपर्काला विस्तार देईल असेही ते म्हणाले.

बैठकिचे आयोजन सोमवारी (26 जुलै) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विद्या भवनातील दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागृहात करण्यात आले.प्रकोष्ठचे संयोजक महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्राचे एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. के.बालराजु यांनी पी.पी.टीच्या माध्यमातून प्रकोष्ठची रूपरेषा, उद्देश्य आणि लक्ष्य प्रस्तुत केले. ते म्हणाले की सामाजिक धोरण शोध प्रकोष्ठची स्थापना भारत सरकारच्या प्रमुख कार्यक्रमांवर अनुसंधान करणेव विभिन्न स्तरांवर आवश्यक धोरणात्मक परिवर्तन व प्रभावावर त्वरित मूल्यांकन करण्यासाठी करण्यात आली आहे. यावेळी महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. मनोज कुमार यांनी आपले विचार व्यक्त केले.

बैठकिला प्रकोष्ठचे सदस्य विश्वविद्यालयातील सूचना व भाषा अभियांत्रिकी केंद्राचे सहायक प्रोफेसर डॉ. आम्रपाल शेंदरे, संस्कृत विभागाचे डॉ. प्रदीप, अनुवाद अध्ययन विभागाचे डॉ. श्रीनिकेत मिश्र, मानवविज्ञान विभागाचे डॉ. नीशीथ राय, समाजविज्ञान विभागाचे डॉ. वरुण उपाध्याय, शिक्षा विभागाच्या डॉ. शिल्पी कुमारी, डॉ. हरीश पाण्डेय, डॉ. चन्द्रशेखर पाण्डेय यांच्यासह मानविकी व सामाजिक विज्ञान विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. कृपा शंकर चौबे व संस्कृती विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. नृपेंद्र प्रसाद मोदी उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे संचालन प्रकोष्ठचे सदस्य डॉ. मिथिलेश तिवारी यांनी केले.